idem redit, e formâ caus., cujus characterem अय in dialecto prâcr. in ए correptum videmus; v. gr. comp. 109[a]).6. E graecâ linguâ conferatur κραίνω, et πράσσω a rad. ΠΡΑΓ, cujus γ e F ortum esse potest, ita ut αγ formae ΠΡ-ΑΓ ad characterem 8[vae] cl. gunatum reducendum sit, qui ante vocales sonat अव्, e. c. अकरवम्.)

c. अधि praeponere *alqm. alicui rei* MAN. 8. 11.: राज्ञश्चा ’धिकृतो विद्वान्. 2) in animo habere, spectare, appetere. SAK. 34. 7.: अहन् तु ताम्… शकुन्तलाम् अधिकृत्य ब्रवीमि; 44. 13.: ताम् अधिकृत्य प्रहरति; RAGH. 11. 62.: शान्तिम् अधिकृत्य.

c. अनु imitari. MAH. 1. 3325.: न तत् प्राज्ञो ’नुकुर्वीत.

c. अप 1) abstrahere, abripere. RAM. I. 51. 13.: शब्देना ’पकृतस् तेन. 2) offendere. अपकृत *n.* offensio. H. 4. 3.

c. अभि *i. q. simpl.* SU. 2. 26.: कुरुक्षेत्रे निवेशम् अभिचक्रतुः.

c. अलम् ornare. N. 2. 11. - c. अलम् praef. सम्: समलङ्कृ *id.*

c. आ praef. अप 1) auferre, demere. RAGH. 6. 57.: अपाकृतस्वेदलवा. 2) relinquere. RAGH. 7. 47.: शिवा भुजच्छेदम् अपाचकार (Schol. Calc. = तत्याज).

c. आ praef. उप tradere, dare. N. 25. 16.: तद् उपाकर्तुम् इच्छामि (Schol. Nil. उपाकर्तुम् per दातुम् explicat).

c. आ praef. निर् arcere, repellere, rejicere, repudiare, irritum facere. SU. 2. 15.: शापाः … वरदाननिराकृताः; RAM. I. 39. 3.: क्रोधात् सा निराकृता; R. Schl. II. 8. 37.: दर्पान् निराकृता पूर्वन् त्वया … राममाता सपत्नी ते.

c. उप juvare, auxilium ferre, prodesse. HIT. 57. 12.: अनुपकुर्वाणो न कस्या ’प्य् उपायनङ् गृह्णीयात्; RAGH. 17. 58., *v. infra praef.* वि. - उपकृत *n.* auxilium. BR. 1. 9. V. उपकर्तृ etc.

c. नि offendere, vexare. N. 19. 5.: मया क्षुद्रेण निकृता; 14. 15.: निकृतो दुःखेन.

c. निस् rejicere, repudiare, despicere (v. निराकृ). DEV. 1. 31.: निष्कृतः पुत्रैः.

c. प्र 1) facere. N. 3. 25.: बुद्धिम् प्रकुरुष्व यथे ’च्छसि; GHAT. 18.: हृदयम् मे प्रकरोषि किं सदाहम्. 2) vitium afferre *virgini.* MAN. 8. 370.: या तु कन्याम् प्रकुर्यात् स्त्री.

c. प्र praef. वि vexare. RAGH. 10. 75.: रक्षोविप्रकृतौ.

c. प्र praef. सम् facere. MAH. 1. 2387.: तुण्डयुद्धम् … सम्प्रचक्रतुः.

c. प्रति 1) mutuum officium praestare, gratiam referre. प्रतिकृत *n.* officium mutuum. M. 8. 2) dare poenas *alcjs rei,* ulcisci, se vindicare *ab alquo, c. dat. s. gen. pers.* MAH. 1. 840.: येन ते हिंसितः पिता तस्मै प्रतिकुरुष्व त्वम्; 2018.: यो मे हिंसितवांस् तातम् … तस्य तथा प्रतिकुर्याम्.

c. वि 1) facere. H. 4. 47.: पुरा विकुरुते मायाम्. 2) commovere. RAGH. 13. 42.: अमुम् … ना ’लम् विकर्तुम् जनितेन्द्रशङ्कम् सुराङ्गनाविभ्रमचेष्टितानि (Schol. Calcutt. विकर्तुम् = स्खलयितुम्). 3) nocere, damnum inferre. RAGH. 17. 58.: हीनान्य् अनुपकर्तॄणि प्रवृद्धानि विकुर्वते (मित्राणि) impotentes non prosunt, praepollentes nocent *amici.* (Schol. Calcutt. विकुर्वते = अपकारञ् चेष्टन्ते). 4) deformare. N. 13. 26.: विकृताकारः; 14. 13.: दृष्ट्वा … आत्मानम् विकृतम्; A. 6. 19.: वादित्राणि विकृतस्वररूपाणि. 5) destruere. SU. 2. 19.: उभौ … विकुर्वते वर्धिष्णौ.

c. सम् (संस्कृ gr. 111. praef. सम्) 1) ornare. N. 17. 8.: रूपम् असंस्कृतम्. 2) consecrare. RAGH. 15. 31.: राज्ञा दशरथस्या ’थ जनकस्यच मन्त्रवित्। सम्स्कारो ’भयप्रीत्या मैथिलेयौ यथाविधि. 3) matrimonio jungere. MAN. 9. 173.: या गर्भिणी संस्क्रियते.

c. सम् praef. उप parare *de cibis.* N. 23. 20.

2. कॄ 5. *P. A.* laedere, vulnerare, occidere.

कृक *m.* gula, fauces. HEM.

कृकण *m.* perdicis species. AM.

कृकवाकु *m.* (e कृक et वाकु a rad. वच् s. उ) 1) gallus. AM. 2) pavo. (Cum prima hujus comp. parte convenit hib. *cearc* gallina, v. कृकण).

कृच्छ्र (ut mihi videtur, e कृत् vel कृत abjecto अ et अ e